श्रीमती श्यामादेवी
डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

(डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध)

शिक्षक प्रशिक्षण (बी0 एड0) विभाग

सिसवाँ, रामपुर सकरवारी – अम्बेडकर नगर

कक्षा शिक्षण मूल्यांकन

सत्र : 2019..–2021...

छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका का नाम.....

कक्षा B.Ed IInd Year महाविद्यालय अनुक्रमांक.....

विषय.....विश्वविद्यालय अनुक्रमांक.....

अभ्यास केन्द्र.....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

इण्डेक्स

पाठ योजना संख्या	दिनांक	प्रकरण	पृष्ठ संख्या	पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर
✱		भौतिक विज्ञान शिक्षण		
1.	24/02/21	'ऊष्मा'	1-5	
2.	27/02/21	'विद्युत धारा'	6-10	
3.	2/03/21	'प्रकाश'	11-15	
4.	4/03/21	'चुम्बक'	16-20	
5.	6/3/021	'बल'	21-25	
6.	9/3/021	'ध्वनि'	26-31	
7.	12/3/021	'ऊर्जा'	32-36	
8.	15/3/021	'गति'	37-41	
9.	17/3/021	'गुरुत्वाकर्षण बल'	42-47	
10.	19/3/021	'दाब'	48-53	
✱		जीव विज्ञान शिक्षण		
1.	25/02/021	'सूक्ष्म जीवों का परिचय'	1-6	
2.	1/03/021	'संतुलित आहार'	7-10	
3.	03/03/021	'भोजन की परिरक्षण विधियाँ'	11-18	
4.	05/03/021	'क्षारक, अम्ल'	19-24	
5.	08/03/021	'रक्त की संरचना'	25-31	
6.	10/03/021	'जीवों में व्यर्थ पदार्थों का निष्कासन'	32-38	
7.	13/03/021	'कोशिकाएँ और उनके कार्य'	39-43	
8.	16/03/021	'पौधों द्वारा भोजन बनाना'	44-50	
9.	18/03/021	'रोगों से बचाव'	51-56	
10-	20/03/021	'ऊतक'	57-61	
11-	22/03/021	'तंत्रिका तंत्र'	62-66	
12-	23/03/021	'मेंडल के आनुवंशिकता के प्रयोग'	67-71	
13-	05/04/021	'पुष्प की संरचना एवं कार्य'	72-78	
14-	06/04/021	'हार्मोन्स तथा अन्तःस्रावी ग्रन्थियाँ'	79-84	
15-	07/04/021	'मानव हृदय की रचना एवं कार्य विधि'	85-90	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

कक्षा शिक्षण पर्यवेक्षण

छात्राध्यापक का नाम :.....

कक्षा :..... 7 ..... विषय : भौतिक विज्ञान शिक्षण तिथि : 24/02/2021

प्रकरण : 'ऊष्मा'

क्र. सं.	शिक्षण घटक	

1. व्यक्तित्व

(i) वेशभूषा– वेशभूषा विद्यालय के अनुरूप था।

(ii) वाणी की स्पष्टता– वाणी में स्पष्टता थी।

(iii) उच्चारणउ की शुद्धता– उच्चारण शुद्ध था।

(iv) आत्मविश्वास– आत्मविश्वास भरपूर था।

(v) विषय ज्ञान– विषय का ज्ञान अच्छा था।

2. पाठ-नियोजन–

(i) सामान्य उद्देश्य– प्रकरण का सामान्य उद्देश्य बताया गया।

(ii) विशिष्ट उद्देश्य– विशिष्ट उद्देश्य भी बताया गया।

(iii) विषय वस्तु क्रमायोजन– विषयवस्तु क्रमानुसार पढ़ाया गया।

(iv) शिक्षण सामग्री चुनाव– चॉक, डस्टर, पॉइन्टर, ब्लैकबोर्ड, चार्ट आदि

3. प्रस्तुतिकरण–

(i) पूर्व ज्ञान– छात्रों को विषय वस्तु का पूर्व ज्ञान था।

(ii) प्रस्तावाना–

(iii) प्रश्नों की श्रृंखलाबद्धता– प्रश्न श्रृंखलाबद्ध तरीके से बताया गया।

(iv) शिक्षण-विधि– व्याख्यान विधि का प्रयोग किया गया।

(अ) वर्ण शैली– वर्ण शैली स्पष्ट थी।

(ब) प्रयोग–

(स) प्रश्न पूछने का ढंग– सरल था।

(i) विकासात्मक प्रश्न– पूछे गये।

(ii) विचारात्मक प्रश्न– इस पर ज्यादा बल दिया गया।

(iii) व्याख्यात्मक प्रश्न– पूछे गये।

(द) छात्र सहयोग– छात्रों का सहयोग किया गया।

(क) सामग्री प्रयोग– चॉक

(ख) पुनर्बलों की उपयुक्तता– पुनर्बलन कौशल छात्रों में विकसित किया गया।

SMT. SHYAMADEVI Degree College of Science & Management

4. प्रश्न बोध- बच्चों को पूछने का ढंग बताया गया।

5. श्यामपट्ट कार्य-

(i) **श्यामपट्ट सारांश** प्रकरण के सारांश के बारे में बताया गया

(ii) **हस्तलेख** श्यामपट्ट पर लेखन कार्य किया गया।

(iii) **चित्रण** चार्ट का प्रयोग किया गया।

(iv) **लेखनगति** लेखन गति उपर्युक्त थी

(v) **स्वच्छता एवं स्पष्टता** अक्षर स्पष्ट थे

6. कक्षा प्रबन्ध-

(i) **छात्रों के बैठने की व्यवस्था** उत्तम थी।

(ii) **अनुशासन** कक्षा अनुशासित थी।

(iii) **समयबद्धता** उत्तम थी।

7. पुनरावृत्ति-

(i) **शिक्षण की सफलता** उपयुक्त थी।

(ii) **अभिवृत्यात्मक विकास** उत्तम थी।

8. गृहकार्य-

(i) **पर्याप्तता** छात्रों को पर्याप्त गृहकार्य दिये गये।

(ii) **उपयुक्तता** विषय कक्षा के अनुरूप थी।

छात्राध्यापक/पर्यवेक्षक

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management